एमपी में फूड प्रोसेसिंग को उद्योग का मिलेगा दर्जा : मुख्यमंत्री

- निवेशकों को दिया खुला न्योता, एमपी बनेगा अग्रणी राज्य
- पांच साल का रोडमैप हैं तैयार, कृषि आधारित उद्योगों पर किया फोकस

नव भारत न्यूज

इंदौर. मध्यप्रदेश दलहन-तिलहन उत्पादन में अग्रणी है, अब कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में निवेश बढ़ाकर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाएंगे. खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को उद्योग का दर्जा दिया जाएगा. यह घोषणा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित ग्लोबल काबुली चना कॉन्क्लेव में की.

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से आह्वान किया कि वे प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करें, शासन हर संभव सहयोग देगा. उन्होंने बताया कि सरकार ने कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए पांच वर्ष का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है. उद्योग स्थापना के नियमों का सरलीकरण किया गया है तथा भूमि, बिजली, पानी और करों में रियायतें दी जा रही हैं. श्रम आधारित उद्योगों के लिए प्रति श्रमिक पांच हजार रुपए प्रतिमाह तक सहायता का प्रावधान भी किया है. इस कॉन्क्लेव में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक रमेश मेंदोला सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे. कार्यक्रम में देश-विदेश के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों का सम्मान भी किया.

चना भारतीय भोजन का अभिन्न हिस्सा

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि चना भारतीय भोजन का अभिन्न हिस्सा है और शाकाहारी समाज के लिए महत्वपूर्ण पोषण स्रोत है. भारत दाल उत्पादन और उपभोग दोनों में विश्व में अग्रणी है. उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 के बाद सिंचाई रकबे में वृद्धि से प्रदेश की कृषि उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है और किसानों की आय में सुधार आया है. जिसे देखते हुए अगले पांच वर्षों में राज्य का बजट दोगुना करने का लक्ष्य भी रखा है.

इंदौर वनमंडल में 156 गिद्ध मिले

- 155 इजिप्शियन के बीच एक दुर्लभ 'चमर' प्रजाति भी मिली
- गिद्ध गणना 2025-26 के अंतिम आंकड़े में चोरल में सर्वाधिक 138 गिद्ध

इंदौर. वनमंडल इंदौर में रविवार को संपन्न हुई तीन दिवसीय गिद्ध गणना के अंतिम आंकड़ों में कुल 156 गिद्ध दर्ज किए गए हैं. खास बात यह रही कि इनमें 155 इजिप्शियन प्रजाति के गिद्ध पाए गए, जबकि एक चमर (लॉन्ग-बिल्ड) प्रजाति का गिद्ध भी चिन्हित किया गया है.

डीएफओ लाल सुधाकर सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह आंकड़ा क्षेत्र में गिद्धों की स्थिर उपस्थिति का संकेत है. 20 फरवरी से प्रारंभ तीन दिवसीय गणना अभियान के तहत वनमंडल की सभी बीटों में समन्वित सर्वे कराया गया था. निर्धारित स्थलों पर वन अमले ने सुबह के समय गिद्धों की गतिविधियों का अवलोकन कर संख्या दर्ज की. डीएफओ के अनुसार इंदौर रेंज में 9, महू में 3, मानपुर में 6 और चोरल क्षेत्र में सर्वाधिक 138 गिद्ध पाए गए. इस प्रकार कुल संख्या 156 रही. चोरल क्षेत्र गिद्धों के लिए प्रमुख आवास के रूप में उभरकर सामने आया है, जहां बड़ी संख्या में इनकी मौजूदगी दर्ज की गई. डीएफओ ने यह भी बताया कि इजिप्शियन गिद्धों की अधिक संख्या सकारात्मक संकेत है, वहीं चमर प्रजाति का गिद्ध मिलना जैव विविधता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. गणना के आंकड़ों का विश्लेषण कर आगे संरक्षण रणनीति तैयार की जाएगी, ताकि गिद्धों के सुरक्षित आवास और संरक्षण को और मजबूत किया जा सके.

मध्यप्रदेश वित्त निगम की सारी देनदारी खत्म

- कर्जदारों पर ढाई सौ करोड़ से ज्यादा बकाया

नव भारत न्यूज

इंदौर. एमपीएफसी ने विभिन्न संस्थाओं से लिया 1050 करोड़ रुपए की देनदारी खत्म कर दी है. अब एमपीएफसी को अपने कर्जदारों से ढाई सौ करोड़ रुपए से ज्यादा कर्जदारों से वसूलना है, जो उसकी पूंजी है. खास बात यह है कि एमपीएफसी ने पिछले कई सालों से ऋण देना बंद कर दिया है. मध्य प्रदेश वित्त निगम ने हुडको, सीडबी और शासन से लिया 1050 करोड़ रुपए का ऋण भुगतान कर दिया है. इस पर वित्त निगम ने करीब 350 करोड़ रुपए से ज्यादा बयाज का भुगतान किया है.

प्रदेश के भोपाल, इंदौर और जबलपुर में मध्य प्रदेश वित्त निगम ने सैंकड़ों उद्योगपतियों को ऋण दिए है.

वर्तमान स्थिति में मध्य प्रदेश वित्त निगम को अपने 296 बकायेदारों से 258 करोड़ रुपए लेना है, जो वित्त निगम की पूंजी है. पिछले साल वित्त निगम ने 65 करोड़ रुपए की वसूली की, जो कुल बकाया राशि का 23 प्रतिशत है. फिलहाल वित्त निगम का इंदौर में 60 कर्जदारों पर 87.45 करोड़ रुपए बकाया है। पूरे प्रदेश में कर्जदारों से सीज की गई प्रॉपर्टी अलग है. बताया जाता है वित्त निगम अब सिर्फ 60 अधिकारी और कर्मचारी बचे है.

वित्त निगम बंद करने की कवायद

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वित्त निगम को बंद करने चर्चा है। इसकी बजे यह बताई जा रही है कि उद्योग के लिए लोन तो ले लेते है, लेकिन भुगतान नहीं करते है। वित्त निगम का अभी भी बहुत पैसा बकाया है। यह बात अलग है कि वित्त निगम ने विभिन्न संस्थाओं से लिया लोन चुकता कर दिया है। इसकी पुष्टि इस बात से मानी जा सकती है कि पिछले 8 सालों से एमपीएफसी ने ऋण देना बंद कर दिया है। वहीं वित्त निगम में अधिकारी और कर्मचारियों की भर्ती भी नहीं की जा रही है। वित निगम अपनी सीज प्रॉपर्टी और बकाया वसूली होते ही या तो किसी अन्य संस्था में मर्ज कर दी जाएगी या फिर सरकार अपने अंडर टेकिंग कर निगम की संपतियों का मालिकाना हक ले लेगा.

सत्य, न्याय और मातृशक्ति की सुरक्षा को आधार बनाया शिवाजी ने : विस्पुते

- गिरीश अवधूत जोशी द्वारा लिखित पुस्तक अनादी समर का विमोचन कार्यक्रम

इंदौर. शिवाजी महाराज की कार्यशैली शासन, सुशासन पारदर्शिता जवाबदेही और जनमानस के जीवन स्तर का उत्थान का रहा. उन्होंने 15 वर्ष की अल्पायु में ही अपने राज्य की कल्पना, सहयाद्रि कोकण महाराष्ट्र से कहीं आगे की पूर्ण हिंदवी स्वराज की. सत्य, न्याय, नीति और मातृशक्ति की सुरक्षा को आधार बनाते हुए उन्होंने अपने शासन व्यवस्था में अष्टप्रधान की व्यवस्था की.

यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख दीपक विस्पुते ने कही. वे शिवाजी रायगढ़ स्मारक मंडल, पुणे और अर्चना प्रकाशन, भोपाल द्वारा आयोजित गिरीश अवधूत जोशी द्वारा लिखित पुस्तक अनादी समर के विमोचन कार्यक्रम में समर्थ भारत की आधारशिला हिंदवी साम्राज्य विषय पर संबोधित कर रहे थे. समर्थ भारत की आधारशिला हिन्दवी साम्राज्य विषय पर प्रभावी व्याख्यान का आयोजन सुपर स्पेशलिटी अस्पताल सभागार में हुआ. उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी के बारे में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि वह केवल महान नायक नहीं थे, वह एक महान संत भी थे। वह केवल महान संत भी नहीं थे वह तो महान भक्त भी थे। उनके जीवन का पूरा अधिष्ठान आध्यात्मिकता से ओतप्रोत था. श्री विस्पुते ने अपने पूरे उद्बोधन में शिवाजी के जन्म से लेकर भारत के स्वतंत्रता तक के पूरे कालखंड का वर्णन किया. उन्होंने कहा कि स्वधर्म, स्वदेशी, स्वराज हमारी स्वाधीनता का मूल मंत्र है. यह शिवाजी महाराज की दूर दृष्टि का परिणाम ही है कि आज हम इतना विशाल एक भारत देख रहे हैं.

शिवाजी का इतिहास भारत का इतिहास : अनादि समर पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में पुणे से आए विक्रम सिंह मोहिते ने कहा कि शिवाजी का इतिहास, केवल मराठा या मराठी का इतिहास ना होकर यह भारत का इतिहास है. हिंदवी स्वराज्य की स्थापना में उन 180 वर्षों का जो योगदान है वह भारत के इतिहास का एक टर्निंग पॉइंट है. यह शिवाजी की दूरदृष्टि ही थी जिन्होंने इतने बड़े स्वप्न की कल्पना की. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर सलाहकार एवं सत्यसाई विद्यालय संस्थान के प्रमुख त्रिभुवन सचदेव ने की. उन्होंने शिवाजी महाराज की संकल्पना और शिक्षा विचार रखें.

पुस्तक का विमोचन किया

इस अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव गिरीश जोशी की लिखी पुस्तक अनादि समर विमोचन भी किया गया. समारोह में अहिल्या बाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह के कार्याध्यक्ष उदय सिंह राजे होलकर मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुए. विशेष रूप से पुणे से विक्रम सिंह मोहिते सम्मिलित हुए, जो शिवाजी महाराज के सर सेनापति हम्बीर राव मोहिते के वंशज हैं.

20 से ज्यादा स्कूल के स्काउट एवं गाइड सम्मानित

- स्काउटिंग के संस्थापक बैडेन पावेल की जयंती पर शताब्दी चिंतन दिवस मनाया

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज स्काउट के संस्थापक लार्ड बेडेन पावेल की जयंती को चिंतन दिवस के रूप में मनाया गया. इस दौरान 20 स्कूलों के विभिन्न वर्गो में स्काउटिंग करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया. इस मौके पर राज्य सचिव ने आगामी मई जून में जिला स्तर पर स्काउट रैली होने के जानकारी दी.

आज चिमनबाग पर स्थित स्काउट एवं गाइड जिला संघ मैदान पर स्काउट के संस्थापक लार्ड बेडेन पावेल की जयंती पर शताब्दी वर्ष को विश्व चिंतन दिवस के रूप में मनाया गया. इस मौके पर जिला संघ मैदान पर पूर्व संभागायुक्त और पूर्व राज्य कमिश्नर अशोक भार्गव और स्काउट के राज्य सचिव बीएल शर्मा मुख्य अतिथि थे. समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व राज्य कमिश्नर और आईएएस अशोक भार्गव ने कहा कि लार्ड बेडेन पावेल ने स्काउटिंग को अमेरिका तक पहुंचाया है. स्काउट का मतलब है कि निस्वार्थ सेवा, ईमानदारी, अनुशासन और निडरता से समाजसेवा के काम करना है. उन्होंने इलाहबाद कुंभ के दौरान मदन मोहन मालवीय द्वारा स्काउटिंग की परीक्षा लेने का बच्चों को वृतांत सुनाया और स्काउटिंग सेवाकार्य की महत्त्वता बताई. कार्यक्रम में मौजूद स्काउट एवं गाइड बच्चों से भार्गव ने कहा स्काउट बन गए तो जीवन में दूसरो से अलग विशेष व्यक्तित्व के बन जाते है।

समारोह में 20 से ज्यादा स्कूलों के बच्चों को स्काउटिंग के विभिन्न वर्गो और स्तर पर कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया. चिंतन दिवस के अवसर पर जिला अध्यक्ष भूपेंद्र अडसूले ने अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया. इस मौके पर जिला संघ उपाध्यक्ष मुकेश राय, अनिल बागौरा, राजेश मार्गेट, राकेश पंडित, ज्योति सोलंकी, प्रकाश गंगराड़े सहित जिला संघ के पदाधिकारियों मौजूद थे. कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव दिलीप मेहता और आभार वैजयंती गहलोत ने आभार माना.

इंदौर प्रदेश में सबसे आगे

समारोह में राज्य सचिव बीएल शर्मा ने कहा कि इंदौर पर प्रदेश में स्काउट की गतिविधियों में सबसे आगे है. इंदौर ने राष्ट्रीय स्तर पर स्काउटिंग में प्रदेश का नाम रोशन किया है. शर्मा ने बताया कि पूरे प्रदेश में 1 लाख 42 हजार स्काउट एवं गाइड स्काउटिंग आंदोलन से जुड़े हुए है. मैं स्थानीय स्काउटिंग टीम को भोपाल से हर स्तर पर खुले हाथों से मदद करने का वादा करता हूं. आगामी मई जून महीने में पूरे प्रदेश जिला स्तर की स्काउट रैली आयोजित की जाएगी, जिससे स्काउटिंग से बच्चों को जुड़ने का प्रोत्साहन मिलेगा.

औदुम्बर ब्राह्मण महासभा की साधारण सभा आयोजित की गई

इंदौर. औदुम्बर ब्राह्मण समाज की पंजीकृत संस्था श्री औदुम्बर ब्राह्मण महासभा इंदौर की साधारण सभा आशुतोष शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई. यह जानकारी महासभा के प्रधानमंत्री मनीष पाठक ने दी. उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 का आय- व्यय विवरण, स्थिति पत्रक श्री शैलेंद्र शर्मा ने प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया. अध्यक्ष श्री शर्मा ने महासभा के आगामी 3 वर्षीय निर्वाचन हेतु निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल शर्मा एडवोकेट का परिचय उपस्थित सदस्यों को दिया. इस अवसर पर समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप जोशी, महासभा इंदौर के उपाध्यक्ष सुनील चौधरी, किरण परसाई तथा अन्य पदाधिकारी, सदस्य गण एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे. प्रश्नोत्तर काल में सतीश जोशी, धीरज दुबे,अभिमन्यु जोशी, निर्मल उपाध्याय, उमेश द्विवेदी, नागेश्वर द्विवेदी, अजय बक्षी, दिलीप दुबे, रंजना शर्मा, दिनेश दुबे, राखी दुबे इत्यादि ने प्रश्न किये. आगामी निर्वाचन तक साधारण सभा स्थगित की गई.

जनक दीदी ने बच्चों को सिखाए प्राकृतिक रंग बनाना

- प्रशिक्षण सप्ताह का किया शुभारंभ

इंदौर. जनक दीदी ने होली के लिए प्राकृतिक रंग बनाने का प्रशिक्षण सप्ताह अपने गाँव के लोगों से ही शुरू किया. जिम्मी मगिलिगन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर सेंटर की निदेशिका और पर्यावरण को समर्पित समाजसेविका, गाँव सनावादिया की चार पीढ़ियों की जनक दीदी से बच्चे, युवा और परिवार बड़े उत्साह और उल्लास से प्राकृतिक रंग बनाने सीखने आये.कार्यक्रम का शुभारंभ गाँव के सामाजिक दम्पति लक्ष्मीबाई भंडारी और इंद्र भंडारी के मुख्य आतिथ्य में आदिवासी बस्ती के बच्चों और जनक दीदी द्वारा ईशवंदना से हुआ. दीदी ने सभी का स्वागत कर इस प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य बताते हुए कहा कि भगवान कृष्ण के समय से चली आ रही होली के पावन त्यौहार को पावनता से मनाना ज़रूरी है.. पिछले 15 वर्षो से होली के लिए प्राकृतिक रंग बनाने का प्रशिक्षण नि:शुल्क प्रशिक्षण दे रही हूँ. मैंने प्रकृति के साथ रहते हुए जो सीखा है उसे कुछ रंग बनाना सिखाऊँगी. उन्होंने बोगनविलिया, अंबाड़ी, पलाश (टेसू), सिन्दूर, पारिजात, पोई चुकंदर एवं गीले प्राकृतिक रंग बनाकर सिखाए. प्राकृतिक रंग सीखने के बाद बच्चों ने बताया कि अभी तक बाज़ार से रासायनिक रंगों से ही होली खेलते रहे है और उससे फेस पर, आँखों नाक गले में एलरजी होती त्वचा खराब होती है. लेकिन अब हमेशा प्राकृतिक रंग रंग बनाकर स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल होली खेलेंगे.

कार्यक्रम में परिवार सहित आए इंद्र भंडारी व लक्ष्मी भंडारी, देवगुराडिया ग्राम सचिव मनोज नागर, महेंद्र धाकड़, दीदी के राखी वाले भाई मान सिंह धाकड़ के परिवार के बच्चे, दीदी के प्रशिक्षित इंटर्न निलेश चौहान मास्टर ऑफ सोशल वर्क, विनोद यादव, हाकी खिलाडी अंश और रुद्राक्ष धाकड़, बिहाड़िया फाटा के बच्चे, गांव के पड़ोसी कपिल जी एवं उनका परिवार तथा स्वतंत्र पत्रकार व्योमकेश ने सभी को प्रोत्साहित किया.

इम्पेक्टफुल रोल करना है पसंद : रकुलप्रीत

- निजी कार्यक्रम में शामिल होने आई अभिनेत्री

इंदौर. मुझे ऐसे किरदार पसंद **हैं, जो कहानी में अहम भूमिका निभाएं और दर्शकों पर छाप छोड़ें. किरदार की कहानी में भूमिका भले ही छोटी हो लेकिन वह ऐसी हो जो फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाए, प्रभावपूर्ण हो और याद रखा जाए. मैं इम्पैक्टफुल रोल करना पसंद करती हूं,**

यह कहना है अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह का. वे रविवार को शहर में थीं और केडब्ल्यूसी लक्ज़रियों के एनिवर्सरी पर आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने आई थी. यहां उन्होंने कुछ घड़ियाँ देखीं और कमल ग्रुप के डायरेक्टर से बातचीत की और प्रशंसकों से भी भेंट की. मीडिया से चर्चा में कहा कि मैं पहली बार इंदौर आई हूं और यहां आकर बहुत खुशी हो रही है. यहां के खाने-पीने की काफी तारीफ सुनी है, इसलिए जब भी मौका मिलेगा, यहां की चाट जरूर चखना चाहूंगी. शहर की सफाई देखकर भी बहुत अच्छा लगा. कोशिश करूंगी कि जब भी मौका मिले इंदौर जरूर आऊं. रकुलप्रीत ने कहा कि घड़ी सिर्फ समय बताने का साधन नहीं, बल्कि इंसान की पहचान भी होती है. घड़िया टाइमलेस एलिमेंट होती है. वक्त हमेशा अच्छा रहे इसलिए अच्छी घड़ी पहनना भी एक तरह से सकारात्मक सोच का प्रतीक है.

फिल्म चुनते समय कई पहलुओं पर देती हूं ध्यान

फिल्मी करियर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैं जब भी कोई फिल्म चुनती हैं तो कई पहलुओं पर ध्यान देती हैं. फिल्म किसी एक चीज पर निर्भर नहीं करती है, यहां कई पहलुओं का कॉम्बीनेशन होता है. कभी स्क्रिप्ट बहुत मजबूत होती है, कभी निर्देशक शानदार होता है, तो कभी सह-कलाकार अच्छा होता है. मैं इन सभी बातों को देखकर ही फैसला लेती हूं. हालांकि इस समय मैं अपने करियर के जिस दौर में हूं, वहां लगातार अच्छे और असरदार रोल करना चाहती हूं. भविष्य में मैं हिस्टोरिकल बायोपिक या रोमांटिक फिल्म करना चाहूंगी

एक नजर में | आलाप परिवार और यशवंत क्लब का संयुक्त आयोजन

शास्त्रीय गायिका स्मिता ने भक्ति गीतों की गंगा बहाई

इंदौर. रविवार सुबह की गुलाबी ठंड में यशवंत क्लब परिसर नारी स्वरों से गूंज उठा. शास्त्रीय गायिका स्मिता मोकाशी ने भक्ति गीतों की दमदार प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को अध्यात्म से सराबोर कर दिया.

कार्यक्रम का आयोजन आलाप परिवार और यशवंत क्लब ने मिलकर किया था. यह जानकारी आलाप परिवार के संस्थापक विजय पारेख एवं संयोजक हर्षवर्धन लिखिते ने दी. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की थीम ईश- भक्ति, नारी-भक्ति थी। इसलिए मंच पर शुरू से लेकर समापन तक नारी शक्ति की ही मौजूदगी रही. कार्यक्रम की शुरुआत शास्त्रीय गायिका स्मिता मोकाशी ने राग ललित पर बंदिश गायी. शुरुआत छोटा ख्याल और बाद में बड़ा ख्याल से की. इसके बाद उन्होंने भक्ति गीतों की गंगा बहाई. स्मिता ने मनवा चल जमुना की और... शिव कैलाश के वासी.... चलो मन वृंदावन की ओर.... रंगी सारे चुनरिया.... और बाजे रे मुरलिया गाकर रसिकजनों को भाव- विभोर कर दिया. कार्यक्रम में बांसुरी वादिका सुश्री रेणुका लिखिते ने बांसुरी पर, तबले पर संगीता अग्निहोत्री और सितार पर स्मिता वाजपेयी ने संगत दी. हार्मोनियम पर रचना पौराणिक और ऑक्टोपेड पर आयुषी मकवाना ने सुधी संगत दी. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सरिता राव एवं प्रसिद्ध कथक गुरु एवं नृत्यांगना सुचित्रा हरमलकर थी. डॉ. राव ने हृदय रोग और उसके बचाव पर अपना संबोधन दिया. कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रसारक रणजीत सतीश बागड़िया को आलाप जीवन गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया. अतिथि स्वागत रूपलता पारेख, मनीषा लिखिते एवं शीतल पारेख ने किया. संचालन जयति बेहेरे ने किया. कार्यक्रम में बीसीसीआई के पूर्व सचिव संजय जगदाले, शास्त्रीय गायक गौतम काले, समाजसेवी पुरुषोत्तम वाघमारे, डॉ सुरेंद्र दिल्लीवाल, सहित बड़ी संख्या में रसिकजन उपस्थित थे.

डॉ. दुबे को प्रो. सूर्य प्रकाश चतुर्वेदी स्मृति सम्मान

इंदौर. प्रेरणा पुरुष अंग्रेजी के प्राध्यापक किंतु हिंदी के पक्षधर साहित्य तथा क्रिकेट के प्रेमी हिंदी साहित्य समिति के पूर्व प्रधानमंत्री प्रोफेसर सूर्य प्रकाश चतुर्वेदी की स्मृति में दूसरा सम्मान डॉक्टर आशुतोष दुबे को प्रदान किया गया.

समिति में आयोजित सम्मान समारोह में उत्सव पुरुष डॉक्टर दुबे ने कहा कि वह मेरे गुरु थे. प्रेरणा पुरुष रहे. हिंदी के माध्यम से उन्होंने क्रिकेट को लोकप्रिय बनाया. उनकी स्मृति में सम्मान मेरे लिए स्नेह आशीष है. वह साहित्य और कला के भी प्रेमी रहे. मुख्य अतिथि संजय जगदाले ने चतुर्वेदी के साथ और उनके परिवार के साथ की कई स्मृतियां साझा की और कहा कि वह हिंदी उर्दू अंग्रेजी के संगम थे. अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में समिति के प्रधानमंत्री अरविंद जवलेकर ने कहा कि वह एक कर्मठ व्यक्तित्व से समिति को एक नई दिशा दी हमेशा याद आते रहेंगे. सम्मान समिति के संयोजक डॉ. जवाहर चौधरी ने डॉ. दुबे व चतुर्वेदी जी दोनों के कृतित्व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला. सरस्वती वंदना वाणी जोशी ने प्रस्तुत की. अतिथियों का स्वागत सर्वश्री घनश्याम यादव, अरविंद ओझा एवं आशीष जोशी ने किया, सम्मान पत्र का वाचन डॉक्टर पदमा सिंह ने किया. संचालन मुस्कान राज ने तथा अंत में आभार पुनीत चतुर्वेदी ने व्यक्त किया. इस अवसर पर डॉ. पुष्पेंद्र दुबे, हरे राम बाजपेई, प्रभा चतुर्वेदी, ज्योति जैन, डॉक्टर गरिमा दुबे. मोहन रावल, संजय पटेल, मोहन अग्रवाल, घटा चतुर्वेदी, रवींद्र व्यास आदि काफी संख्या में सुधिजन साहित्यकार व चतुर्वेदी परिवार के सदस्य उपस्थित थे.